पीआईबी की प्रधान महानिदेशक शेफाली बी. शरण

1. भारतीय सूचना सेवा की वरिष्ठ अधिकारी शेफाली बी. शरण ने हाल ही में प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी) के **प्रधान महानिदेशक** का पदभार संभाल ।
2. शेफाली शरण **1990 बैच की अधिकारी** हैं।
3. शेफाली शरण प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी) के प्रधान महानिदेशक यानी प्रिंसिपल डायरेक्टर जनरल (पीडीजी) का पदभार संभालेंगी।

शेफाली बी. शरण

For Notes and Video Lecture Download *Kautilya Academy App* GET IT ON Google Play

4. शेफाली बी. शरण का करियर;-

- शेफाली बी. शरण ने **वित्त मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, सूचना और प्रसारण मंत्रालय** जैसे मंत्रालयों के लिए प्रेस सूचना ब्यूरो अधिकारी के रूप में मीडिया प्रचार कार्यभार संभाला है। उन्होंने **भारत के चुनाव आयोग के प्रवक्ता** के रूप में भी काम किया है।

5 पीआईबी :-

- **गठन:-** 1919
- **मुख्यालय:-** राष्ट्रीय मीडिया केंद्र, नई दिल्ली

- **उत्तरदायी मंत्री :-** राज्यवर्धन सिंह राठौड़, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
- भारत सरकार की **एक नोडल एजेंसी है,** जो सरकारी नीतियों, कार्यक्रमों, पहलों एवं उपलब्धियों पर प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को जानकारी प्रचारित करने का काम करता है।
- यह **सरकार एवं मीडिया के बीच एक इंटरफेस के रूप में कार्य करता है,** साथ ही यह मीडिया में दिखने वाली लोगों की प्रतिक्रिया पर सरकार को प्रतिक्रिया (फीडबैक) प्रदान करने का भी कार्य करता है।

खाद्य अपशिष्ट सूचकांक रिपोर्ट 2024

कौटिल्य एकेडमी
www.kautilyaacademy.com IAS·IPS·MPPSC·CJ-II

1. हाल ही में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम द्वारा **खाद्य अपशिष्ट सूचकांक रिपोर्ट, 2024** जारी की गई।
2. यह रिपोर्ट एक संयुक्त अध्ययन था, जिसे **संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) और यू.के.** स्थित गैर-लाभकारी संगठन अपशिष्ट तथा संसाधन कार्रवाई कार्यक्रम (WRAP) द्वारा तैयार किया गया था।

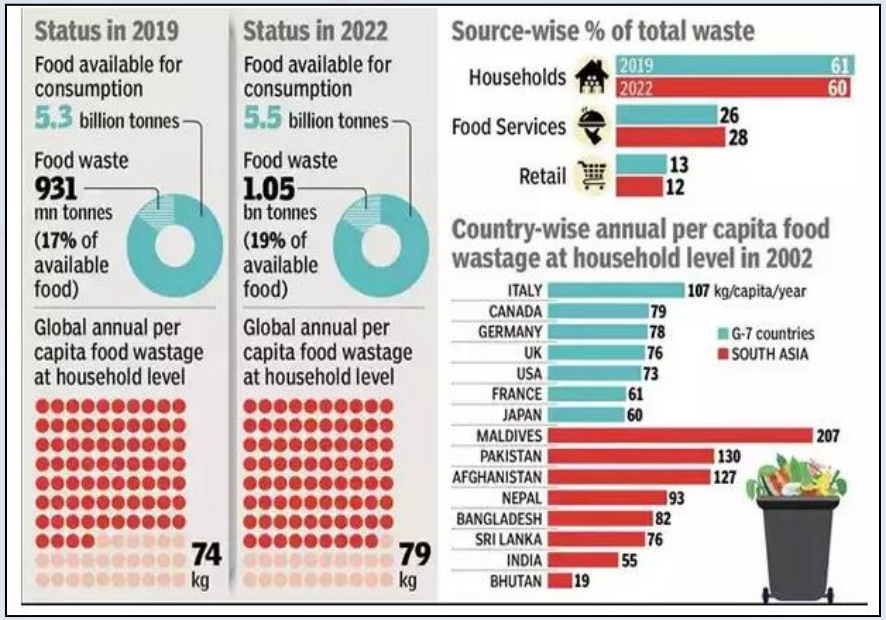

For Notes and Video Lecture Download Kautilya Academy App GET IT ON Google Play

3. रिपोर्ट के मुख्य बिंदु :-

- वर्ष 2022 में सभी महाद्वीपों के परिवारों ने **प्रतिदिन 1 बिलियन से अधिक** 'एक वक्त का भोजन' बर्बाद किया है।
- **वहीं दूसरी ओर 783 मिलियन लोग भुखमरी** से प्रभावित हुए हैं।
- वर्ष 2022 में 1.05 बिलियन टन खाद्य अपशिष्ट उत्पन्न हुआ (अखाद्य भागों सहित), जो प्रति व्यक्ति 132 किलोग्राम था और उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध कुल भोजन का लगभग पांचवां हिस्सा था।
- वर्ष 2022 में **बर्बाद हुए कुल भोजन में से 60 प्रतिशत** घरेलू स्तर पर हुआ, जिसमें 28 प्रतिशत के लिए खाद्य सेवाएँ और 12 प्रतिशत के लिए खुदरा क्षेत्र जिम्मेदार रहा।

- संपूर्ण जनसंख्या के **एक तिहाई हिस्से को खाद्य असुरक्षा** का सामना करना पड़ा है।
- 'खाद्य अपशिष्ट सूचकांक (FWI) रिटेल और उपभोक्ता (घरेलू एवं खाद्य सेवा) के यहां बर्बाद होने वाले भोजन व अनाज के अखाद्य हिस्सों की मात्रा को वैश्विक तथा राष्ट्रीय स्तर पर ट्रैक करता है।
- यह सतत विकास लक्ष्य (SDG)-12.3 के दो संकेतकों के लक्ष्यों का समर्थन करता है, जिन्हें 2030 तक हासिल किया जाना है।
- वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भोजन की हानि और बर्बादी दोनों का **अनुमान लगभग 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर है**।
- वर्ष 2022 तक केवल 21 देशों ने अपनी राष्ट्रीय जलवायु योजनाओं (NDC) में भोजन की हानि और/या अपशिष्ट में कमी को शामिल किया है।

4. संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) ;-

- **स्थापना :-** 1972
- स्टॉकहोम घोषणा के माध्यम से की गई थी।
- **मुख्यालय:-** केन्या के नैरोबी
- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) पर्यावरण पर अग्रणी वैश्विक प्राधिकरण है।
- UNEP का मिशन राष्ट्रों और लोगों को भविष्य की पीढ़ियों से समझौता किए बिना उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए प्रेरित करना, सूचित करना और सक्षम बनाना है।

5. वेस्ट एंड रिसोर्सेज़ एक्शन प्रोग्राम (WRAP):-

- **स्थापना :-**2000 में यूनाइटेड किंगडम
- यह जलवायु कार्रवाई के उद्देश्य पर केंद्रित एक गैर-सरकारी संगठन (NGO) है।
- यह जलवायु संकट के कारणों से निपटने और पृथ्वी को संधारणीय भविष्य प्रदान करने की दिशा में काम कर रहा है।

56वीं राष्ट्रीय खो खो चैम्पियनशिप 2023-24

1. हाल ही में महाराष्ट्र ने **56वीं राष्ट्रीय खो खो चैम्पियनशिप** के महिला और पुरुष दोनों वर्गों का खिताब जीत लिया है।
2. **दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम** में खेले गए पुरुष वर्ग में **महाराष्ट्र और रेल्वे के बीच फाइनल** मुकाबला खेला गया।

3. 56वीं राष्ट्रीय खो खो चैम्पियनशिप 2023-24 का **आयोजन 28 मार्च से 1 अप्रैल 2024** तक दिल्ली के करनैल सिंह स्टेडियम और इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा किया गया था।

4. पुरुष वर्ग में 37 टीमों ने भाग लिया, जिन्हें 8 समूहों में विभाजित किया गया। इसी प्रकार महिला वर्ग में 8 ग्रुपों में विभाजित 37 टीमों ने भाग लिया।

5. भारतीय खो-खो महासंघः-

- **स्थापना :-**1955
- यह भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त निकाय है।
- **मुख्यालयः** नई दिल्ली
- **अध्यक्षः** सुधांशु मित्त

कौटिल्य एकेडमी
www.kautilyaacademy.com IAS-IPS-MPPSC-CJ-II

देश का अनोखा 'गिद्ध रेस्तरां'

सुधीर कुमार

झारखंड के कोडरमा जिले में गिद्धों के लिए एक रेस्तरां स्थापित किया गया है। इसमें गिद्धों के लिए विभिन्न मृत पशुओं के मांस परोसे जाएंगे। ये आहार 'डाइक्लोफेनाक' जैसी पशुधन दवाओं से मुक्त होंगे, जिससे गिद्धों को स्वस्थप्रद भोजन मुहैया कराया जा सकेगा। इस पहल का दूरगामी मकसद गिद्धों की घटती संख्या को बढ़ाना तथा उनके संरक्षण को लेकर जागरूकता फैलाना है।

गिद्ध धरती पर 'प्राकृतिक सफाईकर्मी' की भूमिका निभाते हैं, लेकिन पारिस्थितिकी महत्ता रखने वाले गिद्धों की तादाद तेजी से कम हो रही है। पिछले तीन दशक में देश में गिद्धों की संख्या चार करोड़ से घटकर चार लाख से भी कम रह गई है। गिद्ध जानवरों के शवों का उपभोग करते हैं, इससे पारिस्थितिकी संतुलन बना रहता है। इससे वायु प्रदूषण नियंत्रित होता है और बीमारियों को फैलने से रोका जा सकता है। गिद्धों की विलुप्ति का सबसे बड़ा कारण पशुओं के उपचार में प्रयोग की जाने वाली

इसमें गिद्धों के लिए विभिन्न मृत पशुओं के मांस परोसे जाएंगे, जो 'डाइक्लोफेनाक' जैसी पशुधन दवाओं से मुक्त होंगे

'डाइक्लोफेनेक' नामक दवा की पुष्टि गिद्धों की मौत के लिए एक कारक के रूप में हुई है। जब पशुओं की मृत्यु होती है, तो यही दवा जहर के रूप में जानवर के शरीर में बचा रह जाता है, जिसका भक्षण करने से गिद्धों के गुर्दे और यकृत खराब हो जाते हैं, जिससे उनकी मृत्यु हो जाती है। पशुओं के इलाज में प्रयुक्त उक्त दवा के विकल्प के रूप में 'मेलोक्सिकन' का प्रयोग किया जा सकता है, जिसका गिद्धों पर कोई हानिकारक प्रभाव नहीं होता है। गिद्धों की संख्या में कमी आने की दूसरी बड़ी वजह–प्राकृतिक पर्यावास का विखंडन होना है। गिद्ध आमतौर पर अपने घोंसले यूकेलिप्टस, शीशम, सेमल, इमली और पीपल जैसे पेड़ों पर बनाते हैं, लेकिन वनोन्मूलन के कारण न सिर्फ इन वृक्षों की संख्या में कमी आई है, बल्कि जंगलों से गुजरती वैकासिक गतिविधियों ने गिद्धों को भयभीत कर दिया है। बिजली की तारों से सटने और अवैध शिकार की वजह से भी गिद्धों का अस्तित्व खत्म होता जा रहा है। आइयूसीएन यानी अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ ने अपनी रेड लिस्ट में 2002 में ही भारतीय गिद्ध (जिप्स इंडिकस) को 'गंभीर रूप से संकटग्रस्त' घोषित किया था, पर दो दशक बाद भी गिद्धों को संरक्षित करने में कामयाबी नहीं मिल पाई है।

गिद्धों के सरंक्षण हेतु राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड द्वारा 2020–2025 के बीच एक कार्य योजना को मंजूरी प्रदान की गई है। इसके तहत पांच राज्यों–उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, त्रिपुरा, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में गिद्ध संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र तथा चार शहरों–गुवाहाटी, भोपाल, हैदराबाद और पिंजौर में बचाव केंद्रों की स्थापना की जानी है। गिद्ध जैव विविधता के महत्वपूर्ण अंग हैं। अतः इस प्रजाति के संरक्षण के प्रति सभी को संजीदा होना होगा।

(लेखक बीएचयू में शोधार्थी हैं)

For Notes and Video Lecture Download Kautilya Academy App GET IT ON Google Play

कौटिल्य एकेडमी
www.kautilyaacademy.com IAS·IPS·MPPSC·CJ-II

तैयारियों की परख

सोमवार रात से मंगलवार तड़के तक रोड रनवे पर लैंडिंग व अन्य तैयारियों का परीक्षण, हेलीकाप्टरों में सवार सैनिकों के दस्ते नीचे उतरे, एक हेलीकाप्टर ने सामान को उतारा, दूसरा ले उड़ा

जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर उतरे चिनूक और एमआइ-17 हेलीकाप्टर

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

दक्षिण कश्मीर में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर अनंतनाग में सोमवार आधी रात के बाद पसरा सन्नाटा चिनूक, एमआइ-17 और एएलएच (एडवांस लाइट हेलीकाप्टर) की गर्जना के साथ भंग हो गया। पांच हेलीकाप्टर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बनी हवाई पट्टी (रोड रनवे) पर उतरे और कुछ ही देर बाद ये फिर आसमान में उड़े और खामोशी छा गई। यह खामोशी ज्यादा देर नहीं रही, हेलीकाप्टर दोबारा आकाश में मंडराने लगे। इस बार ये नीचे नहीं उतरे बल्कि हाईवे पर बने रोड रनवे के ऊपर हवा में रहे और उनमें सवार सैनिकों के दस्ते नीचे उतरे। एक हेलीकाप्टर से रस्सियों के सहारे भारी भरकम सामान नीचे उतारा गया, जिसे कुछ ही देर में दूसरे हेलीकाप्टर ने ऊपर खींचा और अपने साथ ले गया। यह क्रम लगभग ढाई घंटे तक चला और वायुसेना ने आपात परिस्थितियों से निपटने की अपनी तैयारियों को परखा।

अनंतनाग के बिजबिहाड़ा में निर्मित रोड रनवे का इस्तेमाल मुख्यतः चीन और पाकिस्तान को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। इस रनवे से युद्धक विमानों को दुश्मन के खिलाफ आसमान में उड़ान भरने में करीब एक से डेढ़ मिनट लगेगा। अगले ही पल वह दुश्मन के विमानों का मुकाबला कर रहे होंगे और अगले तीन मिनट में एलओसी और चार से पांच मिनट में पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर होंगे।

सैन्य सूत्रों ने बताया कि यह जम्मू कश्मीर में विशेषकर कश्मीर घाटी में अपनी तरह का पहला अभ्यास है। इसमें दो चिनूक हेलीकाप्टर, एक एमआइ-17 और दो इंजन वाले दो एएल हेलीकाप्टर शामिल थे। अभ्यास के लिए हाईवे पर दोनों तरफ तीन किमी तक सड़क पर आम आवाजाही बंद थी।

अनंतनाग में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर नवनिर्मित हवाई पट्टी पर वायुसेना के हेलीकाप्टर ने एक आघात लैंडिंग फैसिलिटी (ईएलएफ) ड्रिल के अंतर्गत लैंडिंग की। प्रेट्र

आगरा एक्सप्रेसवे की हवाई पट्टी पर वाहन प्रतिबंधित, 11 तक ट्रैफिक डायवर्जन

जागरण संवाददाता, उन्नाव : लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर उन्नाव के बांगरमऊ क्षेत्र में हवाई पट्टी पर छह व सात अप्रैल को गगन शक्ति अभियान के तहत सुखोई, जगुआर समेत अन्य लड़ाकू विमानों का अभ्यास होगा। उसके लिए मंगलवार दो अप्रैल सुबह आठ बजे से 11 अप्रैल दोपहर 12 बजे तक हवाई पट्टी के साढ़े तीन किमी क्षेत्र में वाहन प्रतिबंधित कर दिए गए। हल्के व भारी वाहन इस अवधि में हवाई पट्टी से पहले दोनों ओर बनी सर्विस लेन से निकलेंगे। मंगलवार सुबह आठ बजे से ही पुलिस और उप्र एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) की टीम ने हवाई पट्टी से पहले बैरियर लगाकर वाहनों को डायवर्ट करना शुरू कर दिया।

For Notes and Video Lecture Download Kautilya Academy App GET IT ON Google Play

सौर ऊर्जा क्षेत्र में क्रांतिकारी कदम

भारत ने अपनी जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्ययोजना के अंतर्गत 11 जनवरी, 2010 को राष्ट्रीय सोलर मिशन शुरू किया था। इस मिशन का उद्देश्य देश के सामने उभर रही ऊर्जा चुनौतियों से लड़ना है।

सीमा अग्रवाल

बढ़ती ऊर्जा जरूरतों के मद्देनजर सरकार ने 'सूर्योदय योजना' शुरू की है। इसका उद्देश्य देश में एक करोड़ घरों की छतों पर सौर ऊर्जा प्रणाली स्थापित करना है। सूरज की रोशनी से बनी इस बिजली के उपयोग से दैनिक जीवन में बिजली की खपत को कम किया जा सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह पहल जल्द ही भारत को विश्व पटल पर अक्षय ऊर्जा के निर्यातक के रूप में स्थान दिलाएगी। भारत के अधिकांश भागों में वर्ष में 250–300 धूप निकलने वाले दिनों सहित हर दिन प्रति वर्गमीटर लगभग 4–7 किलोवाट घंटे का सौर विकिरण मिलता है। अगर इसे वर्ष भर के उत्पादन से जोड़ें तो भारतीय भूभाग पर लगभग प्रतिवर्ग मीटर पांच हजार लाख करोड़ किलोवाट सौर ऊर्जा मिलती है।

'नेशनल इंस्टीट्यूट आफ सोलर एनर्जी' के आंकड़ों के मुताबिक भारत में लगभग 748 गीगावाट सौर ऊर्जा की क्षमता है। इसे 'सोलर पैनल' की मदद से बिजली में बदल कर बढ़ती ऊर्जा की मांग को पूरा किया जा सकता है। ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा प्रकाशित बंजर भूमि एटलस 2019 के अनुसार देश में कुल बंजर भूमि लगभग 5,57,665 वर्ग किलोमीटर है। इस भूमि का उपयोग सोलर पैनल लगाने में किया जा सकता है। इससे अच्छी मात्रा में सौर ऊर्जा पैदा की जा सकती है। 'काउंसिल आन एनर्जी एनवायरमेंट एंड वाटर' द्वारा जारी एक रपट में कहा गया है कि भारत के 25 करोड़ घरों की छतों पर 637 गीगावाट सौर ऊर्जा का उत्पादन किया जा सकता है।

भारत ने अपने जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्ययोजना के अंतर्गत 11 जनवरी, 2010 को राष्ट्रीय सोलर मिशन शुरू किया था। इस मिशन का उद्देश्य देश के सामने उभर रही ऊर्जा चुनौतियों से लड़ना है। गौरतलब है कि 'काप–28' के दौरान भारत ने लक्ष्य रखा था कि वह 2030 तक अपनी कुल स्थापित विद्युत ऊर्जा का पचास फीसद गैर–जीवाश्म स्रोतों से प्राप्त करेगा। इस लक्ष्य को पूरा करने में सौर ऊर्जा का विस्तार और विकास बेहद आवश्यक है। इसके लिए भारत सरकार ने सौर ऊर्जा उत्पादन में तीव्रता लाने के लिए कई योजनाएं चलाई हैं। इनमें सोलर पार्क योजना, फोटोवाल्टिक सेल के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने हेतु 'प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव' योजना, 'ग्रिड कनेक्टेड सोलर फोटोवोल्टिक प्रोजेक्ट्स' आदि प्रमुख हैं। इन योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के कारण आज भारत की कुल सौर ऊर्जा क्षमता 70 गीगावाट तक पहुंच गई है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा जारी वैश्विक स्थिति रपट 2023 के अनुसार विश्व में सोलर पैनल उपलब्ध कराने में आज भारत पांचवें नंबर पर है।

सौर ऊर्जा के उपयोग में बड़ी भूमिका फोटोवोल्टिक सेल की होती है। इन्हीं के जरिए सौर ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में बदलकर ग्रिड तक पहुंचाया जा सकता है। फोटोवोल्टिक सेल सोलर पैनल को ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने, इनके आयात पर होने वाले विदेशी मुद्रा के खर्च को कम करना एक बड़ी चुनौती थी। इसलिए भारत सरकार ने सौर ऊर्जा

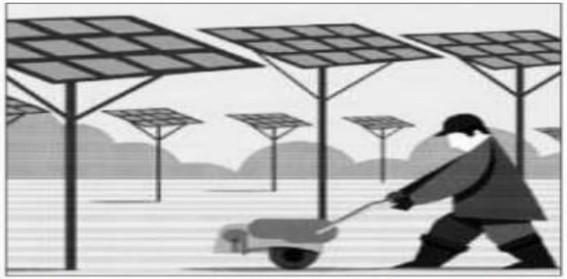

के क्षेत्र में 'प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम' की शुरुआत की है। इसमें ऐसे उद्यमियों को सबसिडी दी जाती है, जो सोलर पैनल या सौर ऊर्जा से जुड़े किसी भी उपकरण का निर्माण घरेलू स्तर पर कर रहे हैं।

आज भारत के सौर ऊर्जा क्षेत्र में काफी वृद्धि देखी जा सकती है।

> आज भारत के सौर ऊर्जा क्षेत्र में काफी वृद्धि देखी जा सकती है। इसमें बड़ा योगदान सरकार की 'सोलर पावर बैंक' योजना का है। इस योजना के तहत सरकार कई सौ हेक्टेयर भूमि पर सौर संयंत्र लगाती है। अब तक इस योजना के तहत कई सोलर पार्क बन चुके हैं। इसमें राजस्थान का भादला सोलर पार्क सबसे बड़ा है। इसकी सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता 2.25 गीगावाट है। वहीं कर्नाटक के पाबागाड़ा सोलर पार्क की क्षमता 2.05 गीगावाट है। इसे भविष्य में तीन गीगावाट तक करने की योजना है।

इसमें बड़ा योगदान सरकार की 'सोलर पावर बैंक' योजना का है। इस योजना के तहत सरकार कई सौ हेक्टेयर भूमि पर सौर संयंत्र लगाती है। अब तक इस योजना के तहत कई सोलर पार्क बन चुके हैं। इसमें राजस्थान का भादला सोलर पार्क सबसे बड़ा है। इसकी सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता 2.25 गीगावाट है। वहीं कर्नाटक के पाबागाड़ा सोलर पार्क की क्षमता 2.05 गीगावाट है। इसे भविष्य में तीन गीगावाट तक करने की योजना है। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की वर्षांत समीक्षा 2022 के अनुसार जनवरी से अक्तूबर 2022 के दौरान विभिन्न सौर पार्कों में 832 मेगावाट क्षमता की सौर परियोजनाएं चालू की गई हैं। 17 पार्कों में 10 गीगावाट से अधिक की कुल क्षमता वाली सौर ऊर्जा परियोजनाएं पहले ही शुरू की जा चुकी हैं। इन योजनाओं और नीतियों का परिणाम है कि वर्ष 2022 में गुजरात का मोढेरा भारत का पहला सोलर ग्राम बना। सितंबर 2023 में मध्यप्रदेश का सांची देश का पहला सोलर नगर बन गया। 2018 में दीव देश का पहला सोलर द्वीप बन गया था।

सौर ऊर्जा को नवीकृत और सतत ऊर्जा का मुख्य स्रोत कहा जाता है, जो पर्यावरण के अनुकूल विद्युत उत्पादन का विकल्प देती है। आज सौर ऊर्जा से घरों और उद्योगों दोनों को सस्ती दरों पर बिजली दी जा रही है। सस्ती दरों पर उद्योगों को बिजली मिलने से उत्पादन की लागत घटेगी। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के 2021 के आंकड़ों के मुताबिक सन 2000 से भारत में ऊर्जा का उपभोग दोगुनी गति से बढ़ रहा है। लगभग दो दशक में 90 करोड़ नागरिकों को बिजली का कनेक्शन मिल चुका है, जो भविष्य में भारत की ऊर्जा मांग को हर साल 5–6 फीसद बढ़ा रहा है। गौरतलब है कि भारत की अस्सी फीसद ऊर्जा की जरूरत तीन महत्त्वपूर्ण ईंधनों– कोयला, तेल और ठोस बायोमास से पूरी होती है। ऊर्जा के लिए जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता लगातार भारत के विदेशी मुद्रा कोष को खाली करती जा रही है। ऐसे में सौर ऊर्जा का विकास और वृद्धि ही भारत के विदेशी मुद्रा कोष को खाली होने से रोक पाएगी।

सौर ऊर्जा निसंदेह बहुउद्देशीय उपयोग वाली अक्षय ऊर्जा है, लेकिन अभी इसके विकास में अनेक चुनौतियां सामने आ रही हैं। सौर ऊर्जा के लिए सोलर पैनल की जरूरत होती है। पिछले वर्ष देखा गया कि भारत के सोलर पावर डेवलपर्स सोलर सेल को चीन, कंबोडिया, मलेशिया, थाईलैंड, विएतनाम से आयात कर रहे हैं। जनवरी से अगस्त 2022 में लगभग 2.5 अरब रुपए के सोलर सेल हमने विदेशों से आयात किए हैं। भारतीय सोलर पावर डेवलपर्स का तर्क है कि हमारे देश में बने सोलर सेल महंगे और कम दक्षता वाले हैं, इसलिए हमें ये आयात करने पड़ते हैं। दरअसल, भारत में बने सोलर सेल अन्य देशों की तुलना में महंगे हैं, क्योंकि सोलर सेल में इस्तेमाल होने वाले सिलिकान वेफर सेमीकंडक्टर से बनते हैं, जिनका भारत में काफी अभाव है। सौर ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में सौर उद्योग की वृद्धि नए रोजगारों का सृजन करेगी। इससे अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। अगर भारत में सौर ऊर्जा का इस्तेमाल बढ़ाया जा सकेगा, तो इससे जीडीपी दर भी बढ़ेगी। सौर ऊर्जा का इस्तेमाल बिजली उत्पादन, तापन और प्रकाश तीनों के लिए हो सकता है।

भारत में दूरदराज के क्षेत्रों तक बिजली पहुंचाने के लिए इन क्षेत्रों में ग्रिड स्थापित करनी होगी, जिसकी लागत बहुत अधिक होती है। इन क्षेत्रों में सौर संयंत्र स्थापित करने से यह खर्च कम किया जा सकता है। इससे गांवों को भी सस्ती दरों पर बिजली मिल सकेगी।

For Notes and Video Lecture Download Kautilya Academy App GET IT ON Google Play

1 .हाल ही में चर्चा में रहा कच्चाथीवू द्वीप भारत और किस देश के बीच है?

(A) बांग्लादेश

(B) नेपाल

(C) भूटान

(D) श्री लंका

Ans:-श्री लंका

2. ATP रैंकिंग इतिहास में दुनिया के सबसे उम्रदराज नंबर 1 खिलाड़ी कौन बने हैं?

(A) नोवाक जोकोविच

(B) डेनियल मेदवेदेव

(C) राफेल नडाल

(D) कार्लोस अलकराज

Ans;-नोवाक जोकोविच

3. हाल ही में PIB के प्रधान महानिदेशक का पदभार किसने संभाला है?

(A) शेफाली बी. शरण

(B) कल्याण चौबे

(C) मनीष देसाई

(D) राजेश मल्होत्रा

Ans;-शेफाली बी. शरण

4. हाल ही में कहाँ के प्रसिद्ध सांझी क्राफ्ट को GI टैग मिला है ?

(A) भोपाल

(B) मथुरा

(C) आगरा

(D) लखनऊ

Ans;-मथुरा

5. जूडिथ सुमिनवा तुलुका किस देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी है?

(A) सोमालिया

(B) जर्मनी

(C) कांगो

(D) पुर्तगाल

Ans;-कांगो

6. 56वीं राष्ट्रीय खो खो चैंपियनशिप 2023-24 में महिला और पुरुष का खिताब किस राज्य ने जीता है?

(A) मध्य प्रदेश

(B)राजस्थान

(C)महाराष्ट्र

(D)कर्नाटक

Ans;-महाराष्ट्र

For Notes and Video Lecture Download *Kautilya Academy App* GET IT ON Google Play

THANK YOU!

For Notes and Video Lecture Download *Kautilya Academy App* GET IT ON Google Play